(a) Whether it is a fact that assistance for the education of children of Oriya employees of the S. E. Railway working in Calcutta, Salimar and suburban areas of Calcutta for their education in Orissa has been stopped; and

(b) If so, the reasons therefor?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सहकारी खेती

४१. **श्री वाल्मीकी** : क्या सामुदायिक विकास, पंचायती राज और सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सहकारी खेती के महत्व को देखते हुए ग्रामीण जनता तक उस विचार को फैलाने के लिए पिछले तीन वर्षों में क्या प्रयत्न किये गये हैं;

(ख) इसके लिए कितनी विचार गोष्ठियां की गईं और कहां-कहां; और

(ग) उन पर कितना व्यय हुआ ?

सामुदायिक विकास, पंचायती राज और सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बी० एस० मूर्ति) : (क) (१) १९५९ में भारत सरकार ने एक कार्यकारी दल की नियुक्ति की जिसका काम सहकारी खेती का विकास करने के लिए एक कार्यक्रम सुझाना था। इस कार्यकारी दल ने अपनी रिपोर्ट १९६० में दी और उस पर नीति सम्बन्धी निर्णय उसी वर्ष सितम्बर मास में लिये गये। इन निर्णयों के आधार पर सहकारी खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक स्कीम तीसरी योजना में समाविष्ट की गई है। दूसरी बातों के साथ-साथ इस स्कीम में यह व्यवस्था भी है कि काश्तकारों को सहकारी खेती के लाभों से परिचित कराने के लिए तीसरी योजना के अन्त तक प्रत्येक जिले में एक अग्रगामी परियोजना आरम्भ कर दी जाये;

(२) सहकारी खेती के कार्यक्रम के आयोजन तथा उसे बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी खेती सलाहकार बोर्ड की स्थापना की है। १२ राज्य सरकारों ने इस तरह के बोर्ड राज्य स्तर पर स्थापित किये हैं। एक राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए राज्य सहकारी परिषद की एक उप-समिति नियुक्त की है;

(३) १९६१-६२ में ६५ जिलों में अग्रगामी परियोजनाएं शुरू कर दी गई हैं, जहां २४३ समितियां संगठित की गई हैं;

(४) इन समितियों को वित्तीय तथा टैक्नीकल सहायता देने का प्रबन्ध कर दिया गया है जिसका ब्यौरा विवरण-क में दिया गया है। [**देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ११**]

(४) (क) अक्तूबर, १९६१ में राज्यों के सहकारी खेती के कार्यभारी मन्त्रियों तथा सहकारी समितियों के निबन्धकों के सम्मेलन में सहकारी खेती की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया;

(५) (क) कुरुक्षेत्र—इस मंत्रालय की मासिक पत्रिका (ख) अखिल भारतीय सहकारी समीक्षा—नेशनल कोआपरेटिव्ह यूनियन आफ इन्डिया द्वारा प्रकाशित और (ग) राज्यों में प्रकाशित किये जाने वाली ९ सहकारी पत्रिकाओं ने सहकारी खेती विशेषांक निकाले;

(६) प्रादेशिक भाषाओं की ४५ सहकारी पत्रिकाओं में समय समय पर सहकारी खेती सम्बन्धी लेख प्रकाशित किये जाते हैं;

(७) आकाशवाणी से ग्रामीण कार्यक्रम के अन्तर्गत सहकारी खेती पर रूपक प्रसारित किये जाते हैं;

(८) इस मंत्रालय तथा कुछ राज्यों ने सहकारी खेती की नीति तथा कार्यक्रम पर लोकप्रिय पुस्तिकाएं निकाली हैं।

(ङ) गुजरात और पंजाब की सरकारों ने सहकारी खेती पर वृत्त-चित्र बनाये हैं।

(ख) व (ग). भारत सरकार ने सहकारी खेती पर नीचे दी गई संगोष्ठियों और विचार-गोष्ठियां आयोजित कीं :

(१) सहकारी खेती पर अखिल भारतीय विचार-गोष्ठी, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद में १७ से ३१ दिसम्बर, १९६० तक।

(२) राज्य स्तर के सहकारी खेती के कार्यभारी अधिकारियों का सम्मेलन नई दिल्ली में ९ व १० अगस्त १९६१ को।

(३) चुने हुए ग्राम सेवकों के लिए अनुस्थापन तथा अध्ययन शिविर, निलोखेड़ी में, १५ सितम्बर से २ अक्तूबर १९६१ तक।

(४) प्रधानचार्यों तथा अनुदेशकों के लिए सहकारी खेती पर अखिल भारतीय अनुस्थापन तथा अध्ययन शिविर, बड़ौदा में १५ से ३१ जनवरी, १९६२ तक।

(५) सरकारी कर्मचारियों और गैर-सरकारी क्षेत्रीय कार्यकर्त्ताओं के लिए पांच प्रादेशिक अध्ययन एवं प्रशिक्षण शिविर नीचे लिखे केन्द्रों में १९६१ में आयोजित किये गये :

(क) मंजी (जिला पूना)—मैसूर, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के लिए;

(ख) खेमपुर (जिला रामपुर, उत्तर प्रदेश) मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लिए;

(ग) पटियाला (पंजाब)—राजस्थान, जम्मू तथा काश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के लिए;

(घ) रांची (बिहार)—असम, बिहार, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, मनीपुर और त्रिपुरा के लिए; और

(ङ) कोयम्बटूर (मद्रास)—आन्ध्र प्रदेश, केरल और मद्रास के लिए।

भारत सरकार द्वारा किये गये खर्च का ब्यौरा विवरण-ख में दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ११]

भारत सरकार द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और विचार-गोष्ठियों के अलावा राज्य सरकारों ने भी राज्य, प्रादेशिक तथा जिला स्तरों पर संगोष्ठियों और विचार-गोष्ठियां आयोजित कीं। इनका ब्यौरा एकत्रित किया जा रहा है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट

४२. **श्री बाल्मीकी** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्न तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट के कितने मामले जनवरी, १९६२ तक पकड़े गये ; और

(ख) उनमें से कितनों में सजायें हुईं ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) और (ख) अपेक्षित सूचना एकत्र की जा रही है और यथा समय सभा पटल पर रख दी जायेगी।

चलती रेल गाड़ियों में अपराध

४३. **श्री बाल्मीकी** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, १९६० से मार्च, १९६२ तक की अवधि में चलती गाड़ियों में हत्या, डकैती और चोरी की कितनी घटनायें हुईं ;

(ख) किस खण्ड में इस प्रकार की अधिकतम घटनायें हुईं ; और

(ग) उनकी रोकथाम के लिये क्या प्रयत्न किये गये ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (ग). सूचना मंगाई जा रही है और मिलने पर सभा पटल पर रख दी जायेगी।